बर्षः- 05
अंकः- 321
मुरादाबाद
(Tuesday)
17 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी ने पूरी की बच्चे की मुराद, सेल्फी लेकर जीत लिया दिल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान के जालौर में थे तभी एक बच्चा लगातार उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। मुख्यमंत्री ने उसकी इच्छा पूरी कर दी ।राजस्थान के जालौर स्थित श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में पढ़ने वाले एक बच्चे की इच्छा रविवार को पूरी हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चे के मनोभाव को समझते हुए तत्काल उसके मन की मुराद पूरी कर दी ।दरअसल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान में थे। वह श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित नवीन भवन के अवलोकन कार्यक्रम में पहुंचे। यहां पढ़ने वाला एक बच्चा विद्यालय के कणिया गिरि मंच के नीचे खड़ा होकर मुख्यमंत्री के फ्रेम में बार-बार सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। यह देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उस बच्चे को मंच पर बुला लिया। बच्चे से उसका नाम, क्लास आदि की जानकारी ली, फिर मोबाइल लेकर अपने हाथों से बच्चे के साथ सेल्फी खींची। इस पर आह्लादित बच्चे ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहा ।मुख्यमंत्री ने यहां अपने विचार भी व्यक्त किए। अतिथियों ने मुख्यमंत्री का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। अंत में मुख्यमंत्री ने स्कूल के शिक्षकों, बच्चों, कलाकारों आदि के साथ फोटो खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट भी प्रदान की।

बिहार में तेजस्वी यादव की फिर हार, कांग्रेस का साथ बेकार

14 नवंबर 2025 मंगलवार था। 16 मार्च 2026 सोमवार है। दिन अलग है। परिणाम एक। अंतराल 120 दिन करीब। कुछ बदला नहीं तेजस्वी यादव के लिए। विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारे। राज्यसभा चुनाव भी। संकेत सोचने को मजबूर कर रहा ।बिहार में विपक्ष को अब सोचना ही पड़ेगा। खासकर, तेजस्वी यादव और कांग्रेस को। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम में साफ दिख गया कि राजद-कांग्रेस के साथ होने का कोई फायदा नहीं है। अब राज्यसभा चुनाव 2026 के परिणाम से यह साफ हो रहा है कि कांग्रेस को साथ रखने पर राजद को विचारना ही पड़ेगा। तेजस्वी यादव ने पांच में से राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए वह भी कर दिया, जो विधानसभा में नहीं किया था- ढ्ढस्ढ्ढरूको साथ लाना। फिर भी, हार का सिलसिला नहीं थमा। एक सीट तेजस्वी जीत जाते तो उनके लिए बड़ी जीत होती, लेकिन अपने एक और कांग्रेस के तीन विधायकों ने उनके वजूद पर सवाल खड़ा कर दिया है ।अपने एक विधायक पर काबू नहीं रख पाए तेजस्वी- चुनाव में धन-बल का %प्रयोग% होगा, यह पहले ही कहा जा रहा था।

पांचवीं सीट पर जीत के लिए किसी भी पक्ष को %मैनेज% करना ही था। तेजस्वी यादव ने असदुदीन ओवैसी की पार्टी ढ्ढस्ढ्ढरू के पांच और मायावती की बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक को साथ कर लिया। इसके बाद उन्हें सिर्फ पहले से महागठबंधन में रहे अपने विधायकों को साथ रखना था। वह अपने एक विधायक पर काबू नहीं कर सके। इसके साथ ही कांग्रेस के तीन विधायक गायब रहे। मतलब, होटल में नजर के सामने रखने की पूरी योजना बेकार गई। नतीजा हार। जानिए, तेजस्वी यादव और एडी सिंह ने क्या कहा?- हार के बाद तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमारे चार विधायक वोट देने नहीं आए, यह बात पूरे बिहार को पता है कि वो लोग क्यों नहीं आए। संख्या कम होने के बावजूद हमलोगों ने अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धनतंत्र और मशीन तंत्र का उपयोग करती है। विधानसभा चुनाव में क्या हुआ था? इसे सबने देखा। आज तो भाजपा का धनतंत्र जीत गया लेकिन एक वक्त आएगा जब भाजपा का यह सब हथकंडा नहीं चल पाएगा। हमलोग हमेशा भाजपा के खिलाफ लड़ते रहेंगे। जब तब जीतेंगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं। वहीं राजद के उम्मीवार अमरेंद्र धारी सिंह ने कहा कि पूरी तरह से खरीद-फरोख्त की गई है। भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग किया। धनबल का गलत प्रयोग किया गया है। हार के बाद राजद विधायक ने क्या कहा? महागठबंधन की ओर से राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा कि अब तो पूरा देश जान गया कि कौन धनबल का प्रयोग करता है? भाजपा ने धनबल का प्रयोग किया है। यह छल किया गया है। यह जनता का अपमान है। महागठबंधन के चार विधायकों के नहीं पहुंचने पर कुमार सर्वजीत ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लेने वालों विधायकों ने जनता के साथ धोखा दिया है। उनके ऊपर जिंदगी भर एक्स एमएलए का टैग लग जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ईरान से हमारी दोस्ती: जयशंकर बोले- भारतीय झंडे वाले जहाजों को निकालने के लिए कोई समझौता नहीं, पुराना सहयोग

पश्चिम एशिया के तनाव के बीच भारत ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया कि हर भारतीय ध्वज लगे जहाज को व्यक्तिगत रूप से अनुमति दी जा रही है और इसके लिए ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हुआ ।पश्चिम एशिया में 17 दिन से जारी संघर्ष ने वैश्विक तेल बाजार को हिला कर रख दिया है। इसका बड़ा असर हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर देखने को मिला, जिसके चलते दुनियाभर की तेल आपूर्तियों संकट के बादल तक दिखने लगे। कूटनीतिक कदम उठाया है। त ईरान के साथ सीधे और निर्णायक संवाद कर रहा है, जिससे भारतीय ध्वज के साथ जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो रहा है ।जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरानी अधिकारियों के साथ सीधे संवाद ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। इसके तहत अभी कई और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को होर्मुज जलमार्ग से गुजरना बाकी है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने स्पष्ट किया कि हर भारतीय जहाज को व्यक्तिगत रूप से अनुमति दी जा रही है और इसके लिए भारत और ईरान के बीच कोई नया समझौता नहीं हुआ है। इस आवाजाही के लिए कोई समझौता नहीं- जयशंकर- इस दौरान जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया

बिहार की सभी 5 सीटों पर एनडीए की जीत;एक पर ही थी लड़ाई, वह महागठबंधन ने गंवाई

बिहार विधानसभा चुनाव के चार महीने बाद हुए राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव में एनडीए ने जीत का परचम लहरा दिया है। पांच सीटों पर सोमवार को वोट पड़े। शाम में परिणाम की घोषणा से पहले ही एनडीए की जीत हो गई।

कैसे महागठबंधन ने यह लड़ाई गंवाई?बिहार में राज्यसभा की पांचों सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार जीत गए हैं।

चार सीटों पर जीत तो पहले से ही तय थी। लेकिन, पांचवीं सीट पर महागठबंधन के उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह से एनडीए के उम्मीदवार शिवेश राम का मुकाबला हुआ। एनडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट किया। लेकिन, महागठबंधन की ओर से चार विधायक (कांग्रेस के तीन और राजद के एक) विधायक विधानसभा नहीं पहुंचे। मतगणना के बाद एनडीए के सभी उम्मीदवारों की जीत की घोषणा कर दी गई। एनडीए के कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं ।तने वाले उम्मीदवारों में कौन कौन हैं? नीतीश कुमार-जदयू रामनाथ ठाकुर-जदयू नितिन नवीन-भाजपा शिवेश कुमार-भाजपा उपेंद्र कुशवाहा-रालोमो जानिए कहां हो गया खेला? राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 202 विधायकों के बल पर अपने पांच उम्मीवार को चुनावी मैदान में उतारा था। इसमें से चार सीट पर तो जीत पहले से तय थी। लेकिन, पांचवीं सीट पर महागठबंधन की ओर से राजद ने अमरेंद्र धारी सिंह को चुनावी मैदान में उतार दिया। इस कारण पांचवी सीट पर एनडीए बनाम महागठबंधन मुकाबला हो गया। दोनों गठबंधन ने अपने अपने विधायकों को एकजुट करना शुरू किया।

पहले तेजस्वी यादव ने विधायकों को एकजुट किया। तेजस्वी ढ्ढस्ढ्ढरू के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। बसपा के एकमात्र विधायक सतीष यादव ने महागठबंधन को समर्थन दिया। 15 मार्च को तेजस्वी यादव ने महागठबंधन के सभी विधायकों को पटना के होटल में ठहरने को कहा। चार विधायकों को छोड़ सभी होटल में आए। 16 मार्च को कांग्रेस के तीन और राजद के एक विधायक ने मतदान प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया। महागठबंधन को पांचवी सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों की जरूरत थी। और बसपा के दम पर तो महागठबंधन ने जीत का दावा कर दिया था लेकिन अंत में चार विधायकों ने खेला कर दिया। यह लोग मतदान के लिए ही नहीं पहुंचे। इस कारण महागठबंधन को हार का सामना करना पड़ा ।हार के बाद राजद विधायक ने क्या कहा? महागठबंधन की ओर से राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा कि अब तो पूरा देश जान गया कि कौन धनबल का प्रयोग करता है? भाजपा ने धनबल का प्रयोग किया है। यह छल किया गया है। यह जनता का अपमान है। महागठबंधन के चार विधायकों के नहीं पहुंचने पर कुमार सर्वजीत ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लेने वालों विधायकों ने जनता के साथ धोखा दिया है। उनके ऊपर जिंदगी भर एक्स एमएलए का टैग लग जाएगा। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने क्या कहा? जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि पूरे बिहार में एक बड़ा मैसेज फिर से गया है। एनडीए की प्रचंड जीत है। हमारे पांचों उम्मीदवारों की शानदार जीत है।

सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार को बदला है। आपदा के वक्त भी उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उनके पास काफी अनुभव है। विपक्ष के आरोपों पर संजय झा ने कहा कि आज अगर हमलोग 41 वोटों का ही बंटवारा करते थे तो भी शिवेश कुमार को 38 वोट और महागठबंधन के उम्मीदवार एडी सिंह को 37 वोट मिलता। विपक्ष के सारे आरोप बेबुनियाद है। सबकुछ पारदर्शी तरीके से हुआ है। जनता के सामने सारी बातें हैं। संजय झा ने कहा कि महागठबंधन को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं थी इसलिए सभी को होटल में रखा गया। कांग्रेस की कोई लीडरशीप नहीं है।

चुनाव कार्यक्रम पर प्रियंका गांधी ने उठाए सवाल, कहा- क्या BJP की सुविधा देखकर तय हुई मतदान की तारीख?

विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद कांग्रेस ने चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मतदान की तारीखें और चरण ऐसे तय किए गए हैं जैसे भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखा गया हो। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी केरल में जल्दी चुनाव होने पर हैरानी जताई ।देश में आगामी विधानसभा चुनावों की तारीखों के एलान के बाद सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि मतदान की तारीखें और चरणों का ढांचा ऐसा लगता है जैसे सत्तारूढ़ भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर तय किया गया हो। उनके इस बयान के बाद चुनाव कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है ।चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया था। इसके तहत असम, केरल और पुदुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे। वहां 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा। सभी राज्यों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे ।प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव की तारीखों और चरणों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह चुनाव की तारीखें तय की गई हैं और जिस तरीके से चरण बनाए गए हैं, उससे ऐसा लगता है कि यह सब भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर तय किया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और जनता के मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगी ।केरल चुनाव को लेकर कांग्रेस क्यों है हैरान? कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी चुनाव कार्यक्रम पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि केरल में चुनाव की तारीख उम्मीद से काफी पहले घोषित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि अप्रैल के आखिरी दस दिनों में मतदान होगा, लेकिन 9 अप्रैल की तारीख ने सभी को चौंका दिया है। उनके अनुसार अब चुनाव के लिए बहुत कम समय बचा है और यह कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती है। क्या नए उम्मीदवारों के लिए समय की कमी बड़ी चुनौती है? शशि थरूर ने कहा कि केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ ने कई मौजूदा विधायकों को फिर से टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने कई नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। ऐसे में नए उम्मीदवारों को मतदाताओं के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए ज्यादा समय चाहिए था। लेकिन कम समय होने के कारण यह कांग्रेस के लिए कठिन चुनौती बन गया है। प्रचार का समय और कम हो जाएगा? अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि चुनाव प्रचार के लिए समय बहुत कम मिला है।

संपादकीय Editorial

Between Statement and Reality

Union Petroleum Minister Hardeep Puri, in a statement in the Lok Sabha, attempted to reassure the nation that there is no shortage of crude oil, petrol-diesel, gas, kerosene, and aviation turbine fuel. Oil reserves are sufficient. We are importing crude oil from 40 countries. There is no need for panic or worry about domestic gas (LPG), as orders have been put in place to ensure the supply of gas cylinders within an average of two and a half days. CNG supply is at 100% capacity, and LNG cargoes are arriving daily. LPG production has been increased by 28%. The minister also mentioned hoarding and black marketing. Who will deal with this? Gas agency employees themselves are openly selling domestic gas cylinders for 2,500-3,000 rupees. Can they be curbed? The minister also said that this is not the time to spread fake narratives. Prime Minister Modi has made similar statements, but he is speaking at election rallies. The Prime Minister should either address the nation or speak in Parliament; the public doesn't trust the words of election rallies. Since the minister made a statement in Parliament, the country should believe him, but what is the reality that our eyes are seeing? People have started lining the streets. Crowds are thronging petrol pumps, and long queues are forming outside gas agencies. Cooking gas is missing, and there's uncertainty about when cylinders will be available. Will food be cooked in our homes? Why did oil companies increase the price of LPG cylinders by 60 rupees and commercial cylinders by 114.5 rupees? Why was this price hike made during wartime? Even more sensitive is the closure of the "Ram Rasoi" in Ayodhya, where an average of 20,000 to 30,000 people used to eat free food daily. However, alternatives are being explored. Prasadam is being prepared on induction stoves at the Siddhivinayak Temple in Mumbai. Prasadam has been discontinued at the Banashankari Temple in Bengaluru. The Delhi High Court kitchen has been shut down. Some packaged snacks and fruit chaat are being served. On some routes of the Shatabdi Express train, hot, fresh food was not available, but packaged food was served. Small restaurants are either on the verge of closure or have limited themselves to serving one or two meals. They are also burning diesel. Severe pollution…! 50% of Mumbai's hotels and restaurants are also considering closing. In Tamil Nadu, this figure is around 10,000. The economy is suffering a setback, and jobs are being lost. How will these losses be compensated? In fact, this is the average energy reality in India. Many examples are emerging, as even commercial gas is not available. India imports 60-66% of its gas. Now we will import 2.2 million tons of gas from the United States, but that gas will reach India after 45 days. Gulf countries have stopped supplies due to the war and have significantly reduced production. Iran has completely blocked the Strait of Hormuz and laid underwater mines. Iranian troops are attacking and destroying oil ships. An interesting fact has emerged: we can only store gas for two and a quarter days. For that, there are only two underground storage caverns in Visakhapatnam and Mangaluru. The country's population is over 1.47 billion, and only two gas storage caverns...! How dependent and incomplete we are! The Petroleum Minister has also assured that refineries are operating at full capacity, and therefore, 5 million LPG cylinders are being supplied daily. Hotels and restaurants have been advised to use alternative fuels. This will increase carbon emissions and lead to more pollution. What will India's response be? India is a member of the Paris Agreement and has to reduce emissions within a set timeframe. Regardless of what the minister says, the energy crisis in India is clearly visible.

The war is turning into an economic disaster, threatening the world economy.

The US-Israeli attack on Iran has deepened the global energy crisis, sending oil and gas prices soaring. The blockage of the Strait of Hormuz has affected supplies, threatening the global economy. India is also affected, although Iran has allowed Indian ships through. The US attack on Iran, in collaboration with Israel, disregarding international law, is also illegal under US law. President Trump appears to have no solution to the global gas and oil crisis created by this war. He appears to have given no thought to how to address the disruptions to energy supplies from West Asia that will arise from the attack on Iran and its retaliatory actions. Iran is also attacking US military bases in Israel and Gulf countries and has blocked the Strait of Hormuz, which carries 20-30 percent of its oil and gas supplies. After closing the Strait of Hormuz and warning the world to be prepared to buy oil at up to $200 per barrel, Iran stated that ships passing through it must inform its navy. However, until the gas and oil supply through this route is uninterrupted, there can be no certainty of a solution to the energy crisis. Since Gulf countries supply oil and gas through the Strait of Hormuz, they are dependent on Iran's behavior. Naturally, countries like India and China are facing significant difficulties due to the blockage of the Strait of Hormuz, as they rely heavily on Gulf countries for their energy sources. It is a matter of relief that following talks between the Indian Prime Minister, the Iranian President, and the foreign ministers of both countries, Iran indicated that it would allow Indian ships to pass through the Strait of Hormuz. The Iranian Ambassador in New Delhi also expressed similar positive sentiments, calling India a friendly country, and two Indian ships were granted permission to pass through this Strait of Hormuz. However, it remains unclear whether all Indian ships will be able to continue to transit through the Strait of Hormuz without any problems in the future. As oil and gas production in the Gulf countries is affected and their supply disrupted, their prices have risen, posing a threat to the global economy. This is becoming a new economic disaster. Many Indian industries dependent on oil, gas, and fertilizers are also facing a crisis. Some are on the verge of closure or forced to reduce production. The disruption of oil and gas supplies from Gulf countries threatens to increase inflation and unemployment worldwide, including in India. The US President is directly responsible for this threat; in his stubbornness and arrogance, he launched an attack on Iran, in collaboration with Israel, without regard for the consequences. While the disruption of oil and gas supplies from Gulf countries has not yet led to a petrol and diesel crisis in the country, a shortage of cooking gas has begun to emerge. From street vendors to restaurants and hotels, and ordinary consumers are all experiencing a growing shortage. Although Petroleum Minister Hardeep Puri claims there is no shortage of oil and gas, hoarders and black marketers are contributing to the gas crisis. Profiteers are viewing this crisis as an opportunity. With the potential for a gas crisis, ordinary people are also worried. Consequently, long lines are visible in front of cooking gas agencies in many places. This is making people even more apprehensive. Opposition parties are further fueling these fears. Although the government has implemented the Essential Commodities Act to prevent gas hoarding and black marketing and formed a committee to monitor the situation, these steps are yet to yield positive results. This will not be seen until state governments take strict action against gas hoarding and black marketing. It is good that the government has decided to release additional kerosene to states under the Public Distribution System (PDS). Amid threats of further attacks on Iran, the US has lifted its objection to other countries, including India, purchasing oil from Russia. This reflects its helplessness. The Indian government is increasing oil purchases from Russia and also making efforts to purchase oil and gas from some other countries, but until these deals are finalized and the path to oil and gas supply is cleared, there can be no respite. India is also buying oil from Venezuela, where the US recently attacked and kidnapped its president. Venezuela undoubtedly has the largest oil reserves, but extracting them is difficult. Refining this oil is also not easy. Now, there is no doubt that just as the US attacked Venezuela in a thoughtless and arbitrary manner, so too did Iran. To alleviate the oil crisis, the International Energy Agency released 400 million barrels of oil from its emergency reserves into the market, but even so, oil prices have surpassed $100. Since Iran remains capable of retaliatory attacks, it is difficult to predict when the war will end. If this war continues for a long time and the supply of oil and gas from Gulf countries remains disrupted, the global energy crisis will deepen. The US will be the biggest culprit for this energy crisis. It does not seem capable of ending this war soon. It has spent billions of dollars, but there are no signs of an imminent end. The US thought that killing Ali Khamenei would lead to a regime change in Iran, but at present, nothing of the sort appears to be happening. The problem is that Iran's new Supreme Leader Mojtaba Khamenei is putting such conditions to end the war, which neither America nor the Gulf countries can accept.

The scourge of profiteering and the audacity unabated

The energy crisis caused by the US-Israel-Iran war has led to the rise of hoarding and black marketing of LPG in the country. Despite the implementation of the Essential Commodities Act, this continues with the connivance of influential individuals and officials. It's no surprise that hoarding and black marketing of LPG began as soon as the energy supply crisis emerged due to the war between the US, Israel, and Iran. Although the government implemented the Essential Commodities Act to curb this, it does not appear to have reduced the audacity of hoarders and profiteers. Evidence of this is the fact that during raids against them, hoarders and blackmarketers of LPG cylinders were caught in several cities. Many had secretly hoarded dozens of LPG cylinders. Some of these individuals include politicians and other influential people. Similarly, it is difficult to count the number of profiteers who were selling LPG cylinders at exorbitant prices. One reason for the activities of such elements is the collusion of the relevant authorities and the police. They too, in turn, seek to make a killing, thus exacerbating the hardships of the public and the government. Hoarding and black-marketing of essential commodities is very common in our country during any crisis. During the COVID pandemic, when the entire country was in crisis, black-marketing of many essential commodities, including some medicines, was also observed. It is no secret that hoarding of onions, fertilizers, and other commodities occurs here. The sole purpose is profiteering. It seems that some people are always on the lookout for a potential shortage in the production or supply of a commodity, so they can transform themselves into hoarders and profiteer. Such people, who turn disaster into a business, can rightfully be considered enemies of civilized society. Since hoarding and black marketing have become a social evil due to a lack of morality and ethics, it is essential not only to launch a vigorous campaign against those hoarding and black marketing LPG cylinders, but also to punish them severely. The Essential Commodities Act provides for fines and imprisonment ranging from three months to seven years for those involved in hoarding and black marketing. However, how many profiteers receive a seven-year sentence? Most escape punishment by hook or by crook or by crook, paying a small fine. It would be appropriate to punish such individuals with a harsh punishment that serves as an example. In serious cases, action should be taken against hoarders under the National Security Act, and their property should also be confiscated. This will bring profiteers to their senses and dissuade them from hoarding.

पति ने पत्नी की कैंची घोंपकर हत्या की, खुद भी जान देने का किया प्रयास; दो साल से चल रहा था विवाद

संभल में घरेलू विवाद में पति ने पत्नी की कैंची घोंपकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने भी जान देने का प्रयास किया। आरोपी की हालत गंभीर है।संभल की कोतवाली क्षेत्र के मंडी किशनदास सराय निवासी आशा वर्कर नाजमा (35) की कर दी। खुद के पेट में भी कैंची घोंपकर घायलावस्था में मिले आरोपी को हालत गंभीर है। मृतका के परिजनों ने विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में का प्रयास किया है। परिजनों ने बताया आमदपुर निवासी नफीस से करीब 15 समय मंडीकिशनदास सराय में बच्चों थी। दो वर्ष से विवाद चल रहा था। सरायतरीन में मेडिकल स्टोर चलाता है के चलते एक वर्ष पहले संभल कोतवाली में मारपीट का मुकदमा भी जानकारी मिली थी कि उसका पति इसके बाद ही रविवार को ही संभल समय नफीस घर आया था और रात को हत्या कर दी। बच्चों के शोर मचाने पर

उसके पति नफीस ने कैंची घोंपकर हत्या जान देनी की कोशिश की है। अस्पताल भर्ती कराया है। जहां उसकी बताया कि करीब दो वर्ष से पति से हत्या की गई है और खुद भी जान देने कि नाजमा की शादी अमरोहा के वर्ष पहले हुई थी। चार बच्चे हैं। इस के साथ किराए के मकान में रह रही नफीस हयातनगर थाना क्षेत्र के जबकि नाजमा आशा वर्कर थी। विवाद कोतवाली और अमरोहा की हसनपुर दर्ज कराया था। रविवार को नाजमा को दूसरी महिला से निकाह करने वाला है। कोतवाली में तहरीर दी थी। शाम के करीब 10 बजे पेट में कैंची घोंपकर लोग एकत्र हुए तो नफीस ने अपने पेट में भी कैंपी घोंप ली। कोतवाली प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद में यह हत्या हुई है। आरोपी ने खुद भी जान देने का प्रयास किया है। गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

मुराद ने बच्चों की परवरिश के लिए की थी दूसरी शादी; अब बेटे ने हथौड़ा मारकर इसलिए की सौतेली मां की हत्या

संभल जिले में खाना नहीं बनाने पर बेटे ने सिर पर हथौड़ा मारकर सौतेली मां की हत्या कर दी। 12 वर्ष पहले आरोपी युवक के पिता ने बच्चों की परवरिश के लिए दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी से कोई बच्चा नहीं हुआ। पहली पत्नी के ही तीनों बच्चों जिले की बहजोई की दुर्गा कॉलोनी निवासी शमीम बानो ने शनिवार की रात सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर कारण हुई। आतिफ के पिता मुराद ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। लोगों का कहना है कि सौतेली मां से आए कारोबार करने वाले मुराद ने बताया कि वह शनिवार की को 11 बजे घर लौटे तो पत्नी खून से लथपथ जमीन पर होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी पूछताछ की तो उसने बताया कि वह रात में करीब आठ तो उन्होंने इंतजार करने की बात कही। रात नौ बजे तक उसने घर में रखे हथौड़े से सिर पर वार कर दिया। जिससे कि उसने जिस समय हथौड़े से हमला किया तब मां के लिए की थी दूसरी शादी- लकड़ी कारोबारी मुराद की चलते हो गई थी। 12 वर्ष पहले अलीगढ़ निवासी मामा शमीम बानो के पति की भी मौत हो गई थी और कोई

की मां की तरह की परवरिश की।यूपी के संभल (42) की सौतेले बेटे आतिफ उर्फ आदिफ (20) हत्या कर दी। वारदात मां के खाना न बनाने के कराई है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार दिन युवक का विवाद होता रहता था। लकड़ी का रात को इशा की नमाज पढ़ने के लिए गए थे।रात पड़ी थीं। आस-पड़ोस के लोगों ने बेटे से विवाद गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर बजे बाहर से घर में आया था। मां से खाना मांगा जब खाना नहीं मिला तो दोनों में बहस हो गई। शमीम बानो की मौत हो गई। आरोपी ने बताया किचन में थी। मुराद ने छोटे बच्चों की परवरिश पहली पत्नी की मौत 13 वर्ष पहले बीमारी के की बेटी शमीम बानो से शादी कर ली थी। बच्चा भी नहीं था। रिश्तेदारों के हस्तक्षेप के बाद यह शादी हुई थी। मुराद ने बताया कि उनके दो बेटे और एक बेटी है। बड़ा बेटा गुलशन गोंडा में रहता है और दूसरा बेटा आतिफ उर्फ आदिफ लकड़ी के काम में सहयोग करता है। जबकि बेटी की शादी हो चुकी है। मुराद ने बताया कि जब उनकी पहली पत्नी की मौत हुई थी तब तीनों बच्चे छोटे थे। इसलिए ही दूसरी शादी कर ली थी कि बच्चों की देखभाल हो जाएगी और मां की तरह परवरिश भी होगी लेकिन आतिफ उर्फ आदिफ अक्सर दूसरी पत्नी से विवाद करता था। शनिवार काके भी खाना देने में देर हुई तो विवाद किया और बाद में हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। पड़ोसी बोले-आए दिन होता रहता था घर में विवाद- शनिवार की रात हत्या की सूचना पर एकत्र हुए आस-पड़ोस के लोगों ने कहा कि सौतेली मां से आरोपी युवक का अक्सर झगड़ा होता रहता था। आए दिन घर से झगड़े की आवाज आती रहती थीं। शनिवार की रात भी पहले काफी शोर सुनाई दिया और कुछ देर बाद सन्नाटा छा गया। आस-पड़ोस के लोगों ने इसलिए ध्यान नहीं दिया कि अक्सर झगड़ा होने की आवाजें आती रहती थीं लेकिन रात को 11 बजे मुराद ने शोर मचाया कि उनकी पत्नी को मार दिया तो लोग एकत्र हुए। तब लोगों को हत्या की जानकारी हुई। हत्या के बाद मोहल्ले में ही घूमता रहा आरोपी- सौतेली मां की हत्या के बाद आरोपी युवक मोहल्ले में ही घूमता लोगों ने देखा। जब पुलिस ने गिरफ्तार किया तो उसके चेहरे पर हत्या करने का कोई अफसोस नहीं था। बल्कि वह खाना नहीं देने पर गुस्सा जाहिर कर रहा था। पुलिस ने पूछताछ की तो वह बेबाकी से सभी सवालों के जवाब देता रहा और हत्या करना स्वीकार किया। साथ ही बताया कि जिस हथौड़े से हत्या की है वह घर में ही पड़ा है। हालांकि पुलिस हथौड़ा पहले ही बरामद कर चुकी थी।

मुरादाबाद में भीषण हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी तेज रफ्तार कार, नैनीताल जिले के चार युवकों की जान गई

मुरादाबाद में हुए सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। सभी दिल्ली की तरफ जा रहे थे। गंभीर रूप से जख्मी एक युवक को अस्पताल पहुंचाया गया है। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर

सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की मौत जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जान गंवाने वाले सभी नैनीताल जिले के रहने वाले हैं। वह नोएडा ड्यूटी पर जा रहे थे।हादसा मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे थाना क्षेत्र में मनकरा मोड़ के पास हुआ। रामपुर की ओर से आ रही कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए।पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल मिला। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि हादसे में चार युवकों की मौत हुई है और एक घायल है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार सवार सभी लोग नैनीताल जिले के रहने वाले थे और नोएडा ड्यूटी के लिए जा रहे थे। मृतकों की पहचान दयाल रावत निवासी वीमिला कंपाउंड नैनीताल, अनिल नेगी (38), सुंदर (42) और भुवन भंडारी (37) निवासी हल्द्वानी के रूप में हुई है। दयाल रावत नैनीताल बैंक की नोएडा शाखा में रीजनल मैनेजर के पद पर तैनात थे। हादसे में घायल यशदीप पांडे योगा टीचर और हल्द्वानी के रहने वाले थे। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खाना देने में देरी पर सौतेली मां की हथौड़े से हत्या, बहजोई की दुर्गा कॉलोनी में वारदात

खाना देने में देरी पर एक युवक ने अपनी सौतेली मां की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल किया गया हथौड़ा बरामद कर लिया।बहजोई कस्बे के इस्लामनगर रोड स्थित नई बस्ती दुर्गा कॉलोनी में रहने वाले मुरादी का 20 वर्षीय बेटा आतिफ शनिवार रात ड्यूटी से घर लौटा । उसने अपनी सौतेली मां शमीम बानो से खाना देने को कहा। शमीम बानो ने कुछ देर बाद खाना देने की बात कही, जिसके बाद आतिफ अपने कमरे में चला गया। एक से डेढ़ घंटे बाद भी खाना न मिलने पर आतिफ दोबारा रसोई में पहुंच गया। उस समय शमीम बानो दूसरे कामों में व्यस्त थी। आतिफ और शमीम बानो के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आतिफ ने कमरे में रखा हथौड़ा उठाया और शमीम बानो के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से शमीम बानो लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो शमीम बानो की मौत हो गई थी। इसी बीच नमाज पढ़कर लौटे मुरादी ने पत्नी को मृत देखा तो सन्न रह गए। रात करीब 12 बजे बहजोई पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार आतिफ और उसकी सौतेली मां शमीम बानो के बीच पहले भी अक्सर विवाद होता रहता था। बहजोई थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि आरोपी आतिफ को गिरफ्तार कर लिया गया है। हथौड़ा भी बरामद किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आतिफ ने पुलिस को बताया कि वह काम से लौटने के बाद कई बार खाना मांग चुका था। खाना न मिलने और कहासुनी होने पर उसे गुस्सा आ गया। इसी आवेश में उसने हथौड़े से वार कर दिया। पहली पत्नी की मौत के बाद की थी दूसरी शादी- लकड़ी का कारोबार करने वाले मुरादी की पहली पत्नी की 13 वर्ष पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। इसके बाद करीब 12 वर्ष पहले उन्होंने अलीगढ़ निवासी अपनी ममेरी बहन शमीम बानो से निकाह किया था। शमीम बानो के पति की भी मृत्यु हो चुकी थी और उनकी कोई संतान नहीं थी। मुरादी की पहली पत्नी से एक बेटी और दो बेटे हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बड़ा बेटा गुलशन गोंडा में कोचिंग में पढ़ाता है। छोटा बेटा आतिफ बहजोई में रहकर पिता के लकड़ी के कारोबार में हाथ बंटाता था।पिता पर भी गंभीर आरोप, गिरफ्तारी की मांग- मृतका शमीम बानो की बहन शबाना ने बताया कि मुरादी अक्सर शराब के नशे में मारपीट करता था। गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शमीम बानो की दो बेटियां हुई थीं, जिन्हें पिता और पुत्र ने मार डाला था। कहा कि हत्या रात में ही कर दी गई थी, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें अगले दिन सुबह करीब 3 बजे मिली। उनकी बहन के साथ लंबे समय से अत्याचार हो रहा था और अब उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने मांग की कि इस मामले में दोनों पिता-पुत्र को जेल भेजा जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

दिन भर छाए रहे बादल, बूंदाबांदी व हवा से ठंड, अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 18 डिग्री दर्ज

मुरादाबाद । सुबह से ही बादल छाए रहे। तेज ठंडी हवा से लोगों को हल्की ठंडक महसूस हुई। बादलों की गरज भी सुनाई देती रही। सुबह

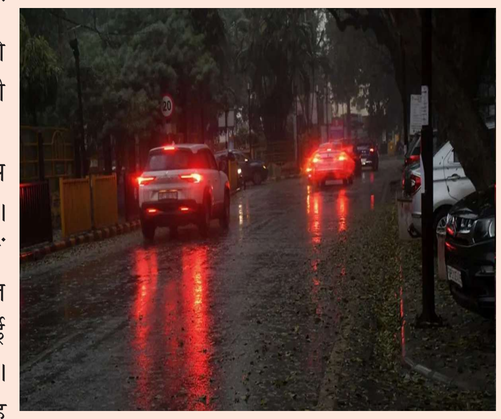

करीब साढ़े आठ बजे हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे फिर ठंड बढ़ी। सुबह लगभग 10 बजे करीब 15 मिनट तक हल्की बारिश हुई। मौसम में बदलाव का असर लोगों की दिनचर्या पर भी पड़ा। दोपहर दो बजे सूर्यदेव ने दर्शन दिए तो मौसम सामान्य हुआ। वहीं किसानों के लिए यह बारिश कुछ हद तक लाभदायक मानी जा रही है, क्योंकि इससे खेतों में नमी बनी रहती है।मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में इस तरह के उतार-चढ़ाव के चलते लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि अचानक बदलते मौसम से सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। डॉक्टरों ने दी सलाह- जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह के अनुसार मौसम में अचानक बदलाव से सर्दी-जुकाम, बुखार और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम की ठंडी हवा से बचाव करना चाहिए, हल्के गर्म कपड़े पहनने चाहिए और ठंडी चीजों के सेवन से परहेज करना चाहिए। यदि सर्दी, खांसी या बुखार के लक्षण दिखाई दें तो खुद से मेडिकल से दवा लेकर सेवन करने से बचें। तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना बेहतर रहता है।

साबिर बन गया सुनील: अजमेर की युवती से नाम बदलकर दोस्ती, किया शारीरिक शोषण, पुलिस से भेजा जेल

नाम बदलकर युवती से दोस्ती करने और शारीरिक शोषण करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है। युवती ने उस पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। खुद को सुनील बताकर अजमेर की एक युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती करने वाले आरोपी साबिर को रविवार की दोपहर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।25 वर्षीय पीड़ित युवती राजस्थान के अजमेर जिले के गांव की रहने वाली है। उसने शनिवार की रात कटघर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया कि करीब दो माह पहले इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात साबिर उर्फ सुनील नाम के युवक हो गई थी।आरोपी ने खुद को मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र के गुलाबबाड़ी निवासी बताया था। 11 मार्च को आरोपी ने उसे मिलने के बहाने दिल्ली बुला लिया था। इसके बाद आरोपी उसे दिल्ली से मुरादाबाद ले आया और गुलाबबाड़ी क्षेत्र में अपनी ताई के घर ले गया था। पीड़िता का दावा है कि उसे यहां पता चला कि आरोपी का असली नाम साबिर है। पीड़िता ने अपने घर वापस जाने की बात कही तो आरोपी ने उसे आश्वासन दिया है कि वह उससे शादी करेगा। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी करने भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए लेकिन इसके बाद आरोपी ने शादी करने से इन्कार कर दिया। था। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दामाद ने सास और साले को दिया मार पत्नी घायल घायल पंचायत के दौरान , चाकू से किया हमला, मौके से फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में अफसर खान नाम के युवक ने सोमवार को दिनदहाड़े अपनी सास आसमां (54 वर्ष) और साले आदिल (20 वर्ष) की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक गांव रहपुरा चौधरी निवासी अफसर का अपनी पत्नी साइमा से

विवाद चल रहा था। उसी को लेकर सोमवार को पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत के दौरान ही अफसर ने चाकू से अपनी सास और साले पर हमला कर दिया। दोनों पर ताबड़तोड़ प्रहार किए, जिससे आसमां और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी की पत्नी गंभीर रूप से घायल - परिजन आनन-फानन दोनों को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बीच-बचाव करने के दौरान आरोपी की पत्नी भी घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। दोहरे हत्याकांड से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। एडीजी जोन रमित शर्मा, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक भी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। थाना पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कांशीराम के 92वें जन्मदिवस पर आजाद समाज पार्टी ने आयोजित की विचार गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत- आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान में बहुजन नायक खुशीराम के 92वें जन्मदिवस तथा पार्टी के 6वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को सैलिब्रेशन बैंकट हॉल, पीलीभीत में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कांशीराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रेम कुमार गौतम ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश संगठन मंत्री एवं बरेली मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी संजीव सागर उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि संजीव सागर ने अपने संबोधन में कहा कि मान्यवर कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन बहुजन समाज को जागरूक, संगठित और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित करते हैं। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष प्रेम कुमार गौतम ने कहा कि आजाद समाज पार्टी कांशीराम के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और बहुजन समाज को सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांशीराम के बताए मार्ग पर चलकर समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सिंह ने किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कांशीराम के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल प्रभारी वसीम चौधरी, रोहित सागर, जिला प्रभारी रामचन्द्र प्रजापति, आकाश सिंह आजाद, अब्दुल वहीद खान, जिला उपाध्यक्ष अकील अहमद इदरीसी, राजकुमार गौतम, जिला महासचिव आकिब रजा, जिला संगठन मंत्री नावेद रजा, विधानसभा अध्यक्ष राजाराम गौतम, सत्यप्रकाश सागर, राजाराम प्रचारी, सुरेन्द्र सागर, विधानसभा उपाध्यक्ष इकबाल अंसारी, असगर हुसैन अंसारी, त्रिमोहन राठौर, राशिद सावरी, डा. नागेन्द्र गौतम, मो. सलीम, अमन कुमार, मुसब्बिर अली, सतीश सागर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम के आगमन की सुगबुगाहट, पीलीभीत बाईपास रोड किया जा रहा दुरुस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पीलीभीत बाईपास पर डोहरा मोड़ से बैरियर टू चौकी के बीच का सफर अब तक किसी मुसीबत से कम नहीं था, लेकिन अब वाहन चालकों को जानलेवा झटकों से राहत मिलने की उम्मीद तो सड़क की सतह से गहरे धंसे गई इस सीवर लाइन के घटिया राहगीरों की लगातार शिकायतों की वजह से गिरकर लगातार अभियंता तक ने जल निगम करने का अनुरोध किया, लेकिन संभावित बरेली दौरे की आहट ने भी संभावित फटकार से बचने के कार्यशैली कहें या वीआईपी कल्चर रहा है। नमामि गंगे के नाम पर

जगी है। पिछले दो सालों से इस मार्ग पर सीवर लाइन के डिप (ÉP¤Ù) या थे या खतरनाक ढंग से ऊपर उभरे हुए थे। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत बिछाई फिनिशिंग वर्क ने इस मुख्य मार्ग को एक्सीडेंट जोन में तब्दील कर दिया था। के बावजूद प्रशासन मौन था और दोपहिया वाहन चालक इन असंतुलित ढक्कनों चोटिल हो रहे थे। पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन से लेकर वर्तमान अधिशासी ग्रामीण की एक्सईएन को दर्जनों बार पत्र लिखकर सड़क और डिप को दुरुस्त हर बार इन पत्रों को कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया। अब मुख्यमंत्री के सो रहे सिस्टम को जगा दिया है। शासन स्तर से होने वाली समीक्षा और किसी लिए जल निगम ने आनन-फानन में काम शुरू कर दिया है। इसे विभाग की का दबाव, जो काम महीनों से अटका था, वह अब युद्धस्तर पर पूरा किया जा घटिया निर्माण की भेंट चढ़ी सड़क दरअसल, तीन साल पहले हरुनगला में नकटिया नदी किनारे एसटीपी के निर्माण के साथ इस मार्ग पर सीवर लाइन डाली गई थी। जल निगम ग्रामीण ने पाइप लाइन डालने के बाद आनन-फानन में सड़क तो बना दी, लेकिन गुणवत्ता के मानकों को ताक पर रख दिया। नतीजा यह हुआ कि सड़क बनने के कुछ महीनों बाद ही जगह-जगह से धंसने लगी। सड़क इतनी घटिया बनाई गई थी कि पीडब्ल्यूडी को अपनी साख बचाने के लिए कई बार खुद के बजट से गड्ढे भरवाने पड़े। सीवर लाइन के ऊंचे-नीचे चेंबर शुरू से ही वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए थे, लेकिन तकनीकी खामियों को सुधारने के बजाय विभाग गहरी नींद में सोया रहा।

कृतिका नर्सिंग कॉलेज फिर विवादों में, छात्रों ने प्राचार्या पर लगाए गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / प्रैक्टिकल में फेल करने की धमकी, एक्सटर्नल पास कराने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप बरेली। पीलीभीत रोड स्थित लभेड़ा टोल प्लाजा के पास संचालित कृतिका नर्सिंग कॉलेज एक बार फिर विवादों गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को मांग की है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज व्यवहार किया जाता है और आवाज उठाने का कहना है कि पिछले एक वर्ष से कॉलेज में अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कि कॉलेज में पारदर्शिता की कमी है और परीक्षा में फेल करने की धमकी दी जाती है। बावजूद उन्हें प्रैक्टिकल में जानबूझकर फेल इसके अलावा छात्रों ने यह भी आरोप लगाया लगभग 2000 रुपये तक की अवैध वसूली छात्रों से पैसे मांगे जाने की शिकायत सामने

में घिर गया है। कॉलेज के कई छात्र-छात्राओं ने प्राचार्या पर शिकायत पत्र सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की की प्राचार्या जिन्सी एम. वर्गीज द्वारा छात्रों के साथ अनुचित वाले छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। छात्रों प्रबंधन के मैनेजर डॉ. के.पी. गंगवार को कई बार इस संबंध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। छात्र-छात्राओं का आरोप है जो छात्र कॉलेज की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं, उन्हें कई छात्रों का कहना है कि थ्योरी परीक्षा में पास होने के कर दिया जाता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। कि एक्सटर्नल प्रैक्टिकल में पास कराने के नाम पर प्रति छात्र की जाती है। वहीं स्कॉलरशिप फॉर्म आगे बढ़ाने के लिए भी आई है। छात्रों का कहना है कि पैसे न देने पर उन्हें भविष्य खराब करने की धमकी दी जाती है। मामले से नाराज छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और लिखित शिकायत देकर कॉलेज में चल रही कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की। छात्रों का कहना है कि यदि प्रशासन निष्पक्ष जांच कराए तो कई गंभीर तथ्य सामने आ सकते हैं। फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

महाराजा अग्रसेन महा विद्यालय बरेली में साइबर सिक्योरिटी पर कार्याशाला का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में सोमवार को साइबर सिक्योरिटी पर एक कार्याशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षको एवं छात्रों को बढ़ते हुये साइबर उपायों को समझाना था। इस (एस.एच.ओ.) थाना साइबर डिजिटल अरेस्ट स्कैम आदि के वास्तविक पुलिस, सरकारी एजेंसी, किसी प्रकार का चालान जारी वाट्सऐप लिंक, ए.पी.के. फाइल्स, चुराते है। उन्होने छात्रों को सलाह करें न ही किसी अनजान व्यक्ति भी प्रकार की साइबर धोखाधडी रिपोर्टिंग पोर्टल (http:// अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य जिसका निदान जागरूकता ही है महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार पदाधिकारियों ने इस कार्यशाला की

अपराधों की जानकारी देना एवं उनसे बचाव के व्यवहारिक कार्याशाला के मुख्य वक्ता पुलिस निरीक्षक नीरज सिंह क्राइम, बरेली रहें। जिसमें उन्होने ए.पी.के. फाइल, फर्जी एप, बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य वक्ता ने स्पष्ट किया कि वीडियो कॉल के माध्यम से गिरफ्तारी नहीं करती, न ही करती है। स्कैमर्स साधारणत: लोगों से ऑनलाइन लेनदेन, एस.एम.एस., या ई-मेल के जरिये खातों से न केवल जानकारी दी कि किसी अनजान लिंक से कोई एप्लिकेशन डाउनलोड न को कोई ओ.टी.पी. या अपनी जानकारी साझा न करें। किसी की शिकायत तत्काल साइबर सेल या राष्ट्रीय साइबर अपराध cybercrime.gov.in) पर दर्ज करे। इसी क्रम में महाराजा डॉ. सौरभ अग्रवाल ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय समस्या है साथ ही छात्रों को सर्तक एवं सुरक्षित रहने की सलाह भी दी। अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फनसिटी), महामंत्री शशि से सम्मानित), कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल तथा अन्य सराहना की तथा इस प्रकार की कार्यशालाओं को भविष्य में भी कराने की सलाह दी। मंच संचालन बी.बी.ए. विभागाध्यक्षा निशा परवीन ने किया। इस कार्यशाला में कौशल विकास एवं रोजगारपरकता सेल के समन्वयक शोभित अग्रवाल, अजीत सिंह, मंयक शर्मा का विशेष सहयोग रहा तथा प्रथमेश कुमार, राजपाल वर्मा, डॉ. गुन्जन अग्रवाल,डॉ. के.के.मेहरोत्रा आदि उपस्थित रहें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गैस बुक होना हुआ मुश्किल, सुबह से शाम तक करना पड़ रहा प्रयास

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रसोई गैस की बुकिंग को लेकर उपभोक्ताओं को अब भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि गैस एजेंसी के ऐप के माध्यम से भी सिलेंडर बुक नहीं हो पा रहा है। सुबह से लेकर रात तक लोग बार-बार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बुकिंग नहीं होने से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। सनराइज कॉलोनी के रहने वाले पीएल शर्मा, राजीव पटेल, दुर्गा नगर के रहने वाले राजीव, देवेंद्र, संजय नगर निवासी मुन्नी समेत कई लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से गैस बुकिंग करने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन गैस बुक नहीं हो पा रही है। अब ऐप पर लॉगिन करने के बाद भी बुकिंग का विकल्प सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। कई बार कोशिश करने के बावजूद बुकिंग नहीं हो पा रही है। इससे उन लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने बताया कि दिन में ऐप सही से काम नहीं कर रहा, लेकिन रात में ऐप पर बुकिंग हो रही है। डीएसओ मनीष कुमार ने बताया कि ऐप के माध्यम से बुकिंग हो रही है। कभी कभी लोड ज्यादा होने के कारण बुकिंग में दिक्कत आ सकती है, लेकिन ऐप पर लगातार बुकिंग हो रही है।

गांव की गलियों से पहलेट्रांसफर आर्डर जान गए सचिव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में बार-बार सचिवों के तबादलों ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर जहां फाइलों को निपटाने की रफ्तार दोगुनी होनी चाहिए, वहां सचिवों के तबादलों ने पूरी व्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। शासन की स्पष्ट नीति है कि विषम परिस्थिति को छोड़कर केवल अप्रैल से जून माह के स्थानांतरण सत्र में होंगे और वह भी कुल संख्या के मात्र दस प्रतिशत तक सीमित रहेंगे। लेकिन, यहां शासन की नीति को दरकिनार कर अधिकारियों की अपनी ही %%विशेष नीति%% चलती दिखाई दे रही है। बीते 10 मार्च को हुए नौ ग्राम विकास अधिकारियों और दो ग्राम पंचायत अधिकारियों के स्थानांतरण ने इस चर्चा को और हवा दे दी है। सचिव बताते हैं कि एक साल में तीन से चार बार ट्रांसफर किए जा चुके हैं। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि नया सचिव जब तक गांव की गलियों और वहां की बुनियादी समस्याओं को समझने की कोशिश करता है, तब तक उसके हाथ में रवानगी का आदेश थमा दिया जाता है। इस अदला-बदली के खेल में मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं और ग्रामीणों की छोटी-बड़ी समस्याएं कागजों में ही दफन होकर रह गई हैं।

दबंगों ने दुकान में घुस कर युवक से की मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नवाबगंज, पुरानी रंजिश में एक दबंग अपने साथियों के साथ युवक की दुकान में घुस गया और उसकी पिटाई की। युवक की दुकान पर पहुंची उसके परिवार की एक महिला ने उसे बचाया तो दबंगों ने उससे भी मारपीट की। घटना की तहरीर महिला की ओर से थाना नवाबगंज में दी गई है। क्योलड़िया थाना क्षेत्र के बबूरा गांव के गणेश नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरखन गांव में बाल काटने की दुकान चलाते हैं। उनका आरोप है कि गांव के ही एक दबंग से उनकी रंजिश चल रही है। सोमवार को वह अपनी दुकान पर थे कि अचानक दबंग काले रंग की ईको कार से अपने कुछ साथियों के साथ आ धमका और उसपर टंकी के पाइप से हमला कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

यूपी में भीषण सड़क हादसा: नोएडा से सिलिंडर लेने गांव आ रहे दो बाइक सवार समेत तीन की मौत, इकलौता था सत्यवीर

सड़क हादसे में बेटे की मौत के बाद विलाप करते हुए पिता महेश ने बताया कि बेटा सत्यवीर व गजेंद्र नोएडा में निजी कंपनी में काम करते थे। वहां रसोई गैस सिलिंडर खत्म हो गया था।यूपी के संभल स्थित बहजोई में बाइक व स्कूटी की भिड़ंत में सत्यवीर (20) व गजेंद्र (18) व स्कूटी सवार गांव (18) की मौत हो गई। बाइक सवार दोनों लोग लिए आ रहे थे। वहीं, दूसरी ओर इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को सीएचसी में उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल के का रो-रोकर बुरा हाल- हादसा रविवार को रात इस्लामनगर मार्ग पर गांव मिर्जापुर के निकट हुआ। कुमार सिंह व थाना प्रभारी संत कुमार भी मय पुलिस जानकारी ली। इस बीच, सीएचसी में लोगों की रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। सत्यवीर व रहे थे मृतक सत्यवीर के पिता महेश ने बताया कि होकर नोएडा से घर आ रहे थे कि रास्ते में उनकी और हादसे में दोनों की जान चली गई। वहीं, सैफ का कहना था कि सैफ समेत फतेहखान व आलम बहजोई आ रहे थे कि रास्ते में हादसा हो गया और

बाइक सवार गांव मंडनपुर निवासी मिर्जापुर कुरैशियान निवासी सैफ नोएडा से गांव सिलिंडर लेने के स्कूटी सवार फतेहखान व आलम भर्ती कराया गया। यहां से प्राथमिक लिए रेफर कर दिया गया।परिजनों करीब सात बजे बहजोई- वहीं, सूचना पर सीओ डॉ. प्रदीप टीम के पहुंच गए और हादसे की भीड़ रही। वहीं, परिजनों व गजेंद्र बाइक पर नोएडा से घर आ सत्यवीर व गजेंद्र बाइक पर सवार बाइक की स्कूटी से भिड़ंत हो गई के परिजनों व आसपास के लोगों स्कूटी पर सवार होकर मिर्जापुर से सैफ की जान चली गई। चल रही हादसे की जांच-पड़ताल - सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जांच पड़ताल की है। सीओ का कहना है कि मृतकों के शव पोस्टमार्टम को भेजे गए हैं। वहीं, घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां से घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हादसे की जांच-पड़ताल चल रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। नोएडा से सिलिंडर लेने गांव आ रहे थे सत्यवीर व गजेंद्र- सड़क हादसे में बेटे की मौत के बाद विलाप करते हुए पिता महेश ने बताया कि बेटा सत्यवीर व गजेंद्र नोएडा में निजी कंपनी में काम करते थे। वहां रसोई गैस सिलिंडर खत्म हो गया था। इसलिए सत्यवीर रिश्ते के भतीजे गजेंद्र के साथ नोएडा से बाइक पर सवार होकर सिलिंडर लेने गांव मंडनपुर आ रहे थे। गांव से कुछ किलोमीटर पहले ही रास्ते में हादसा हो गया और दोनों की जान चली गई। इकलौते बेटे सत्यवीर की चल रही थी शादी की बात- पिता महेश का कहना था कि तीन भाई-बहनों में सत्यवीर उनका इकलौता बेटा था। बड़ी बेटी विनीता की शादी कर दी तथा एक छोटी बेटी रचना है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों से सत्यवीर की शादी की बात जिला बदायूं के थाना बिसौली क्षेत्र के गांव हरदासपुर से चल रही थी। अब सत्यवीर की मौत से इकलौते बेटे की शादी का सपना भी अधूरा रह गया। पुलिस ने सीएचसी के गेट बंद कर किया भीड़ पर काबू- हादसे के बाद तीनों मृतकों के शव व दोनों घायल युवकों को देखने आए परिजनों व रिश्तेदारों समेत आसपास के लोगों की सीएचसी में इस कदर भीड़ लग गई कि पुलिस को सीएचसी के भवन के गेट बंद कर भीड़ पर काबू करना पड़ा।

गार्ड ने क्यों मारी बैंक मैनेजर को गोली? सामने आई दो वजह; 2018 में सेना से रिटायर हुआ था रविंद्र हुड्डा

पुलिस के मुताबिक, आरोपी रविंद्र मूल रूप से मंसूरपुर का रहने वाला है और वर्ष 2018 में सेना से रिटायर हुआ था। पूछताछ में उसने बताया कि बैंक मैनेजर छुट्टी देने में आनाकानी कर रहा था। सोमवार को बैंक न आने को लेकर दोनों के के साथ मिलकर मैनेजर पर गोली चला सिंध बैंक की शाखा में बैंक मैनेजर की जांच में दो बड़ी वजह सामने आई हैं। छुट्टी को लेकर विवाद और कम सैलरी को अंजाम दिया।उपचार के दौरान गई बॉर्डर थाना क्षेत्र के बलराम नगर कॉलोनी यहां तैनात गार्ड रविंद्र हुड्डा ने अपने एक को गोली मार दी। गोली लगने के बाद अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज गार्ड गिरफ्तार- वारदात के बाद दोनों आए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घंटों में पुलिस ने आरोपी गार्ड रविंद्र लिया।2018 में हुआ था सेना से मूल रूप से मंसूरपुर का रहने वाला है

बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद उसने साथी दी।उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पंजाब एंड गोली मारकर हत्या करने के मामले में शुरुआती पुलिस पूछताछ में आरोपी गार्ड ने बताया कि मिलने की नाराजगी के चलते उसने वारदात मैनेजर की जान- घटना सोमवार को लोनी स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक की ब्रांच में हुई। साथी के साथ मिलकर बैंक मैनेजर अभिषेक मैनेजर को गंभीर हालत में दिल्ली के जीटीबी के दौरान उनकी मौत हो गई।बागपत से आरोपी आरोपी बैंक से पैदल बाहर निकलते हुए नजर मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कुछ ही और उसके साथी को बागपत से गिरफ्तार कर रिटायर- पुलिस के मुताबिक, आरोपी रविंद्र और वर्ष 2018 में सेना से रिटायर हुआ था। पूछताछ में उसने बताया कि बैंक मैनेजर छुट्टी देने में आनाकानी कर रहा था। सोमवार को बैंक न आने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद उसने साथी के साथ मिलकर मैनेजर पर गोली चला दी। आरोपी ने यह भी आरोप लगाया कि उसे तय वेतन से कम सैलरी दी जा रही थी, जिससे वह नाराज था।पुलिस का बयान- एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि घटना से पहले बैंक के अंदर मैनेजर और गार्ड के बीच कहासुनी हुई थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है।

अभिनेत्री कंगना रणौत पर 500 रुपये का जुर्माना: कोर्ट में पेश नहीं हुईं सांसद की वकील, अब तीन अप्रैल को सुनवाई

फिल्म अभिनेत्री रणौत केस में की कोर्ट में बहस अधिवक्ता के कोर्ट ने जुर्माना प्रदेश की मंडी भाजपा सांसद अभिनेत्री कंगना दायर वाद में एमएलए अनुज सुनवाई हुई। बहस के लिए हुईं, और जूनियर समय की मांग 500 रुपये का बहस के लिए दिया। 3 अप्रैल होगी। राजीव

और सांसद कंगना सोमवार को आगरा हुई। सांसद की हाजिर नहीं होने पर लगाया है।हिमाचल लोकसभा क्षेत्र से और फिल्म रणौत के खिलाफ सोमवार को एमपी-कुमार सिंह कोर्ट में उनकी अधिवक्ता कोर्ट में हाजिर नहीं अधिवक्ताओं ने की। अदालत ने जुर्माना लगाकर अंतिम अवसर दे को अगली सुनवाई गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को सांसद कंगना रणौत के खिलाफ अदालत में वाद दायर किया था। कहा गया था कि सांसद ने 26 अगस्त 2024 को अपने बयान में किसानों पर अपमानजनक टिप्पणी की। महात्मा गांधी पर भी अभद्र टिप्पणी की। अधीनस्थ न्यायालय में परिवाद खारिज होने पर वादी अधिवक्ता ने सत्र न्यायालय में रिवीजन किया था। सोमवार को सुनवाई के दौरान कंगना के स्थानीय और सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता की जूनियर ने अदालत में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। जिसमें लिखा कि उनकी वरिष्ठ अधिवक्ता की तबीयत ठीक नहीं हैं। इस वजह से वह अदालत में हाजिर होकर बहस नहीं कर सकती हैं। बहस के लिए अन्य तारीख की मांग की। वादी के अधिवक्ताओं ने कहा था कि बहस से बचकर मामले को टालने की कोशिश की जा रही है। अदालत ने 500 रुपये का जुर्माना लगाकर बहस के लिए अंतिम अवसर दे दिया। 3 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी।

अखिलेश यादव बोले: परीक्षा में आया सवाल ब्राह्मणों को बदनाम करने की साजिश, शंकराचार्य को किया गया अपमानित

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में एसआई की परीक्षा में आए सवाल पर प्रदेश की भाजपा

सरकार को कटघरे में खड़ा किया। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जब विधानसभा चुनाव होता है, तो जिस राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होती है, वहां के डीजीपी, मुख्य सचिव और अन्य अधिकारी हटा दिए जाते हैं। लेकिन, जिस राज्य में भाजपा की सरकार रहती है, वहां कोई अधिकारी नहीं हटाया जाता है। यूपी में जिन अधिकारियों के परिवार के लोग चुनाव लड़ रहे थे, उन्हें भी नहीं हटाया था।अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में उप चुनाव के दौरान जिन अधिकारियों ने समाजवादी पार्टी को चुनाव हराया था, हमने उनकी लिस्ट जारी की थी, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। भाजपा के लोग अफवाहजीवी है। लोगों को खाना बनाने के लिए रसोई गैस सिलेंडर नहीं दे पा रहे हैंपरीक्षा में आया सवाल ब्राह्मणों को बदनाम करने की साजिश पुलिस भर्ती में आए विवादित सवाल को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानबूझकर यह सब कराती है, फिर दूसरों को बदनाम कराती है। भाजपा के पास एक टीम है, जिसे वह पैसे देती है और दूसरों को बदनाम करती है। क्या ब्राह्मण समाज को कोई इस तरह से बदनाम कर सकता है। यह पहली बार नहीं हुआ है, जिन्हें हाता नहीं भाता, वे इस तरह का काम कई बार कर चुके हैं। भाजपा सरकार ने शंकराचार्य को भी अपमानित किया।

संक्षिप्त समाचार

इंद्रा मार्केट में खरीददारी के दौरान गुम हुआ 4 वर्षीय मासूम, कोतवाली पुलिस ने कुतुबखाना से सकुशल बच्चे को मां को सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ईद की खरीददारी के दौरान इंद्रा मार्केट में गुम हुए चार वर्षीय मासूम को कोतवाली पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार दिनांक 16 मार्च 2026 को श्रीमती आसमा पत्नी

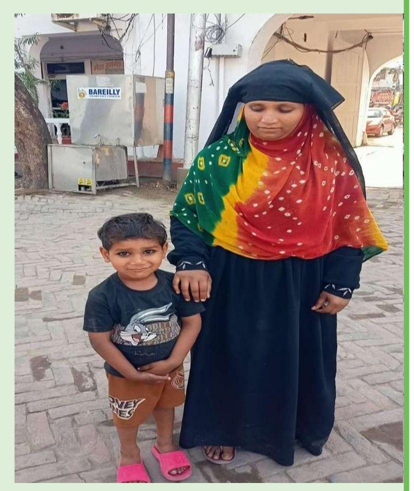

ताहिर निवासी ग्राम परतापुर सहाय, थाना इज्जतनगर अपने बच्चों के साथ ईद की खरीददारी के लिए थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित इंद्रा मार्केट आई थीं। इसी दौरान उनका चार वर्षीय पुत्र अमान अचानक भीड़ में गुम हो गया। काफी तलाश के बाद भी बच्चा नहीं मिलने पर आसमा ने डायल 112 और चौकी बिहारीपुर पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना कोतवाली व चौकी बिहारीपुर पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए बच्चे की तलाश शुरू कर दी। गहन खोजबीन के दौरान पुलिस टीम को बच्चा कुतुबखाना मार्केट में सुरक्षित अवस्था में घूमता हुआ मिला।पुलिस टीम बच्चे को तत्काल थाना कोतवाली लेकर आई और उसकी मां आसमा को सूचना देकर थाने बुलाया गया। बाद में बच्चे को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर मां ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

कमर्शियल गैस की बिक्री को मिली हरी झंडी, जंग के चलते लगी थी रोक

रामपुर । ईरान, अमेरिका और इजराइल जंग के बावजूद सरकार ने कमर्शियल गैस की बिक्री के लिए हरी झंडी दे दी है।

कामर्शियल गैस सिलेंडर न मिलने की खबर से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने कारोबार बंद करने का मन बना लिया था। कुछ ने लकड़ी के चूल्हे और कोयले की भट्टियों पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन अब घरेलू गैस के साथ कमर्शियल गैस भी उपभोक्ताओं को मिलने लगी है। कुछ जगह गैस एजेंसी संचालक गैस देने में टाल-मटोल कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति काम कर गई, ईरान ने फारस की खाड़ी से भारतीय जहाजों को गुजरने के लिए हरी झंडी दे दी है। भारत सरकार ने पिछले आठ दिन से कामर्शियल सिलेंडरों पर लगी रोक हटा ली है। इससे होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को बड़ी राहत मिली है। रविवार को सिविल लाइंस स्थित एक गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं को घरेलू गैस वितरित की गई। गैस मिलने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। मुन्नी देवी ने बताया कि पिछले तीन दिन से गैस खत्म होने से काफी परेशानी हो रही थी लेकिन, आज उन्हें गैस सिलेंडर मिल गया है। नवनीत कौर ने बताया कि उन्होंने कई दिन पहले गैस बुक कराई थी लेकिन, रविवार को ओटीपी आने के बाद उन्होंने सिलेंडर ले लिया।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

लोधी की हत्या के मास्टर माइंड 10 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी मुरारी लोधी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में थाना भौंती पुलिस द्वारा 10 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी मुरारी लोधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 02.12.2025 को फरियादी अमित लोधी पुत्र रामनिवास लोधी उम्र 26 साल निवासी ग्राम ऊमरीकला थाना भौंती ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि चचेरा भाई कल्याण लोधी व अनिल लोधी स्कूल से पढाकर घर वापस आते समय ग्राम गणेशखेडा बेयर हाउस के पास आरोपीगण मुरारी लोधी, रामजीलाल लोधी, नाहर सिंह, प्रदीप दुबे, सविता लोधी नि0ग्राम ग्राम ऊमरी कला थाना भौंती एवं जितेन्द्र उर्फ कल्ला लोधी नि0 ग्राम सिल्लारपुर थाना करैरा द्वारा पुराने केस में राजीनामा करने के ऊपर से गाली गलौज कर कल्याण लोधी की मारपीट की व मुरारी लोधी ने जान से मारने की नियत से कट्टा से कल्याण लोधी में गोली मार दी जिससे कल्याण लोधी की इलाज के लिये ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गयी। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपीगणो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 377/25 धारा 103(1), 296(ड़), 115(2), 3(5) बी. एन. एस. का कायम कर विवेचना में लिया गया। हत्या का अपराध गंभीर प्रकृति का होने से पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले द्वारा आरोपीगणो को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये एवं आरोपीगणो की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी के द्वारा प्रत्येक आरोपी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। बाद एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी भौंती निरी0 घनश्याम भदौरिया एवं उनि कुसुम गोयल चौकी प्रभारी खोड के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपीगणो की तलाश शुरू कर दी। दिनांक 15.03.2026 को मुख्य आरोपी मुरारी लोधी पुत्र बैज बैजनाथ लोधी उम्र 45 साल नि0 ग्राम ऊमरीकला थाना भौंती जिला शिवपुरी (म.प्र.) को गिरफ्तार किया गया है जिसे माननीय न्यायालय पिछोर में पेश किया गया।

सराहनीय कार्यवाही:- निरीक्षक घनश्याम भदौरिया थाना प्रभारी भौंती, उनि कुसुम गोयल चौकी प्रभारी खोड़, सउनि संजय भगत, प्र0आर0 669 अभयराज सिंह, प्र0आर0 234 प्रहलाद सिंह यादव, आर0 578 ब्रजेश राणा, आर0 358 दुर्गाविजय रावत, आर0 260 गजेन्द्र शर्मा, आर0 169 पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, आर0 240 पीकेश कुमार की अहम भूमिका रही ।

कांशीराम की 92वीं जयंती को पीडीए दिवस (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के रूप में पूरी भव्यता के साथ मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद- समाजवादी पार्टी (सपा) ने ठंडी सड़क स्थित नव भारत सभा भवन परिसर में मान्यवर कांशीराम की 92वीं जयंती को %पीडीए दिवस% (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के रूप में पूरी भव्यता के साथ मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने की, जिसमें शोषित और वंचित समाज के उत्थान को लेकर कांशीराम के विचारों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भंते अनुरुद्ध और सपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा दीप प्रज्वलन व कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। प्रदेश सचिव सर्वेश अम्बेडकर के संचालन में हुए इस आयोजन में मुख्य रूप से आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी का मुद्दा छाया रहा। वंचितों के हक के लिए कांशीराम ने छोड़ा अपना जीवन- चंद्रपाल यादव कार्यकर्ताओं

को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि मान्यवर कांशीराम के मन में हमेशा शोषित समाज के लिए पीड़ा थी। उन्होंने अपनी अच्छी-खासी जिंदगी छोड़कर वंचितों को उनके हक और हुकूक के प्रति जागरूक किया। जिलाध्यक्ष ने कांशीराम के मिशन %जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी% को सफल बनाने का आह्वान करते हुए इसे उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। अखिलेश यादव पूरा कर रहे हैं कांशीराम का अधूरा मिशन- पार्टी के संस्थापक सदस्य और पूर्व राज्यमंत्री रामसेवक सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज कांशीराम के अधूरे सपनों को %पीडीए% फॉर्मूले के जरिए पूरा कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सपा में सभी जातियों को टिकट से लेकर संगठन तक में उचित हिस्सेदारी दी जा रही है। वहीं, प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने कहा कि कांशीराम का दिखाया गया रास्ता ही जनसंख्या अनुपात में हिस्सेदारी दिला सकता है। कैडर राजनीति और महिला सशक्तिकरण पर जोर- लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य ने कांशीराम को कैडर आधारित राजनीति का जनक बताया। पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने बाबा साहब अंबेडकर और कांशीराम के %घूंघट मुक्त समाज% के सपने को याद किया। भाजपा पर साधा निशाना, कहा- %गांव का किसान बढ़ेगा, तभी देश बढ़ेगा% पूर्व विधायक अजीत कठेरिया ने पीडीए समाज को आगाह करते हुए कहा कि यदि वे अब भी नहीं जागे, तो फिर से गुलामी की जंजीरों में जकड़ जाएंगे। सपा नेता विजय यादव ने युवाओं और किसानों की प्रगति को ही देश का विकास बताया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा गांव में उद्योगपतियों और जमींदारों को बढ़ावा दे रही है, जबकि असली विकास गांव के किसान के बढ़ने से होगा। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम अहमद फारूकी, पूर्व चेयरमैन हरीश यादव, जिला प्रवक्ता राधेश्याम सविता सहित कई अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष भा. कि. यु. टिकैत ने कार्यकारणी बहाल हेतु रास्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष मण्डल अध्यक्ष को दिया प्रस्ताव

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव/ श्रावस्ती मे भा. कि. यु. के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी ने कार्यालय पर बैठक करके निवर्तमान जिला कार्यकारणी के पदाधिकारीयों के साथ समीक्षा बैठक करके शीर्ष नेतृत्व को ज्ञापन के माध्यम से कार्यकारणी बहाल करने हेतु कहा गया ताकि संगठन को नई दिशा मिले कुछ समय से संगठन के सिपाहियों के मन मे उथल पुथल भी समाप्त हो और श्रावस्ती का किसान एक जुट होकर बाबा टिकैत के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए जनपद मे एक नई ऊर्जा के साथ संगठन को गति दे सके उपस्थित सभी लोगों से विचार विमर्श किया गया और सिसौली में होने जा

रही पंचायत को लेकर श्रावस्ती से कितने लोगों का जत्था तैयार हो रहा है इस पर भी विचार विमर्श किया गया निवर्तमान जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी ने कहा कि हम लोग का सौभाग्य है कि हम लोग अपने महात्मा बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की धरती पर अपनी खेती को अच्छी तरीके से करने के लिए बाहर से आए हुए वैज्ञानिकों की बातों का पर विचार करेंगे और अपनी खेती से अच्छी पैदावार करके और अपने जीवन को धन्य बनाने के अवसर हम लोगो को नहीं चूकना है.

गांधी स्टेडियम में रेशम मेले का शुभारम्भ, किसानों को रेशम उत्पादन बढ़ाने के लिए किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत- जनपद में मुख्यमंत्री रेशम विकास योजना के अंतर्गत सोमवार को गांधी स्टेडियम में रेशम मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्लाक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय गंगवार, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेले में एनआरएलएम, पशुपालन, गन्ना, कृषि, इफको, नेडा, प्रोवेश, मत्स्य, महिला कल्याण, रेशम, लघु सिंचाई सहित करीब

15 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से किसानों और स्वयं सहायता समूहों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। रेशम विभाग की ओर से रेशम उत्पादन की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि रेशम उत्पादन के लिए शहतूत के पेड़ों की पत्तियों का उपयोग किया जाता है, जिन्हें कीट खाते हैं और बाद में कोकून बनाते हैं। इसी कोकून से रेशम प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में रेशम उत्पादन अभी कम है, इसलिए इस योजना के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों और स्वयं सहायता समूहों को इस कार्य से जोड़कर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं, सब्सिडी और शहतूत के पौधों व कीट उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार, डीडीएम नाबार्ड सी.पी. त्रिवेदी, अग्रणी जिला प्रबंधक राजकुमार सेठ, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. गौतम, मत्स्य अधिकारी अनुराग तिवारी, उपायुक्त स्वत: रोजगार वंदना सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी शिक्षक-कर्मचारियों को सरकार ने दिया तोहफा, ग्रेच्युटी राशि 20 से बढ़ाकर हुई 25 लाख; ऐसे मिलेगा लाभ

यूपी के एडेड कॉलेज के शिक्षकों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। उनकी ग्रेच्युटी राशि 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख तक किए जाने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने प्रदेश के 4500 से अधिक अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के सवा लाख से अधिक शिक्षकों व कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। उनकी ग्रेच्युटी राशि 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख तक किए जाने का निर्णय लिया गया है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में यह व्यवस्था पिछले साल

से लागू है।माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार एडेड विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता मूल वेतन का 50 फीसदी हो जाने पर ग्रेच्युटी की राशि 20 से बढ़ाकर अधिकतम 25 लाख किए जाने का निर्णय लिया गया है। विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद्र की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इसके लिए वित्त विभाग से सहमति मिल गई है।बता दें कि पिछले साल ही प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों-कर्मचारियों को इसका लाभ दिया जा रहा है। इसके बाद से एडेड माध्यमिक विद्यालयों की ओर से इसके लिए मांग की जा रही थी। इस क्रम में यह निर्णय लिया गया है। वहीं सेवा के दौरान विकल्प देने पर व सेवा के दौरान निधन होने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों के परिजनों को ग्रेच्युटी नियमानुसार देने की व्यवस्था है। एनपीएस की धनराशि न जमा होने पर जताई नाराजगी- प्रदेश के सहायता प्राप्त गैर सरकारी माध्यमिक शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के एनपीएस खाते में धनराशि जमा न करने पर नाराजगी जताई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) ने सोमवार को इस मामले में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के जीपीएफ खाते में ब्याज सहित जमा करने का स्पष्ट आदेश है। इसके बाद भी अभी तक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लचर कार्य प्रणाली के चलते जमा नहीं किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप जीतने के बाद वृंदावन पहुंचे रिंकू सिंह: मां बगलामुखी मंदिर में किए दर्शन, बोले- पूरी हुई मनोकामना

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह वृंदावन पहुंचे। उन्होंने मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन कर विशेष-पूजा अर्चना की। कहा कि उन्होंने विश्व कप में जीत के लिए मंदिर कामना की थी।भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य रिंकू सिंह ने हाल ही

में विश्व कप जीतने के उपरांत मथुरा का दौरा किया। उन्होंने छटीकरा स्थित पूर्व पालिका अध्यक्ष पुष्पा शर्मा के फार्महाउस पर पहुंचकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं मथुरा में पुराने बस स्टैंड स्थित मां बगलामुखी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। रिंकू सिंह ने जीत का श्रेय मां बगलामुखी के आशीर्वाद को दिया।फार्महाउस पर पुष्पा शर्मा और भाजपा नेता पंडित योगेश द्विवेदी ने दुपट्टा ओढ़ाकर रिंकू सिंह का स्वागत किया। उन्होंने रिंकू सिंह और भारतीय टीम को विश्वकप जीत की बधाई दी। रिंकू सिंह योगेश द्विवेदी के साथ मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे, जहां सेवायत नीरज चतुर्वेदी ने पूजा कराई। उन्होंने मां को पुष्प अर्पित कर, भोग लगाया और दीपक जलाकर आराधना की।रिंकू सिंह ने कहा कि मातारानी से विश्व कप की जीत के लिए कामना की थी। उन्होंने देशवासियों और ब्रजवासियों से मिले प्रेम के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। रिंकू सिंह ने कहा, मां के दर्शन कर वह धन्य हो गए। उनके साथ उत्तर प्रदेश रणजी टीम के सदस्य अंश द्विवेदी भी थे। रिंकू सिंह ईंधन स्टेशन पहुंचे, यहां इंडियन ऑयल के क्षेत्रीय अधिकारी लक्की गौतम ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया।

सिधौली मिश्रिख मार्ग पर अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दो किसानों की मौत

सीतापुर जिले के सिधौली मिश्रिख मार्ग पर हुए हादसे में दो किसानों की मौत हो गई। हादसा सिधौली मिश्रिख मार्ग पर हुआ।सीतापुर जिले के संदना के

सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर काकोरी के पास सोमवार को गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। उसमें सवार दो किसानों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों गणना बेचकर वापस लौट रहे थे। पुलिस घटना की जांच कर रही है। रालामऊ निवासी राजेंद्र (40) और प्रदीप (35) गन्ना बेचकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान काकोरी के पास अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और दोनों युवक उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीन की मदद से ट्रॉली को हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Are Gen-Z tired of swiping? Leaving dating apps and relying on professional matchmakers.

Today's younger generation is moving away from dating apps and returning to arranged setups and professional matchmakers. Gen-Z is abandoning dating apps and relying on professional matchmakers. Apps like base and revenue. Matchmaking has preferences of today's younger apps were once the most popular way setups and custom-designed to mere words; dating app statistics popularity of dating apps: Data a decline in revenue in 2025. At the paid users has also decreased Hinge app continues to grow, but increased its emphasis on curated matches. The New Style of Modern longer limited to simply matching offer a variety of modern and checks, counseling, providing date the most suitable, options. Keeping even immediately share social media now a premium service. According

Bumble and Tinder are seeing a decline in user become an expensive, high-end service. The generation, Gen-Z, are changing. While dating to find love, they are now returning to arranged matchmaking platforms. This shift isn't limited also bear witness to this new trend. The declining shows that the popular dating app, Bumble, saw same time, the number of Tinder downloads and compared to earlier times. Amidst all this, the understanding the changing times, it has also matching, i.e., presenting selected and better Matchmakers: Today's matchmakers are no biodata between men and women. They now essential services. These include background guidance, and presenting only a select few, but privacy in mind, many platforms initially do not information with each other. Matchmaking is to a report by The Established, matchmaking has now become a high-end service sector. It's targeting customers who are serious about finding a life partner and are willing to spend lakhs of rupees. The fees charged in this sector will surprise you: Taruni Shroff Marriage Bureau: Their fees range from ?30,000 to ?5 lakh per year. Anshaadi: This platform charges ?51,000 (plus GST) for three months of service. Just Coffee: The annual membership for this premium service costs ?3.6 lakh. Furthermore, if your match is finalized, you'll have to pay an additional ?5.4 lakh "success fee." Overall, it's clear that today's generation is now looking for a life partner more seriously than just for a time pass, and for this, they rely heavily on the expensive services of modern matchmakers.

Sanju Samson's desi cheat meal: Ditches fast food and opts for a famous Kerala dish, learn what Pazhankanji is.

After his impressive performance in the T20 World Cup, Sanju Samson celebrated his victory by eating Kerala's traditional 'Pazhankanji' instead of fast food. Sanju Samson celebrated his victory by eating Pazhankanji, a nutritious and delicious Pazhankanji since his impressive performance in the revealed a revelation. He revealed that came time to celebrate his impressive expensive restaurant, but a very simple that Sanju broke his diet plan by eating chammanthi. What is this but it is a simple dish made from rice from the night before, which you nutritious food in every Kerala traditional Pazhankanji at home? It is few ingredients in the right way. You of leftover rice (enough to completely buttermilk 3-4 small onions (lightly Method: First, put the leftover rice in a completely submerge the rice. Cover overnight (about 8 to 12 hours). The slightly cloudy and has a slight sour nutrients. Pour the yogurt or mixture. Now, add the chopped onions, mashing the rice lightly with clean

traditional Kerala dish made from fermented rice. Make easily at home. Sanju Samson has been in the news ever T20 World Cup. Meanwhile, his personal chef has after three months of a strict and boring diet, when it victory, Sanju ordered not a pizza or burger from an dish from his home in Kerala! His chef Suresh Pillai said Kerala's famous 'Pazhankanji', fried fish, kappa and 'Pazhankanji'? Pazhankanji is not a fancy or spicy dish, fermented rice. It is an amazing dish made from leftover can also call 'fermented rice'. It is a traditional and very household. Benefits of Pazhankanji How to make not difficult to make at all. It is easily made by mixing a can easily make it at home like this: Ingredients: 1 bowl submerge the rice) 2-3 tablespoons of thick yogurt or chopped) 1-2 green chilies (finely chopped) Salt to taste deep pot. Now, add enough room temperature water to the pot with a lid and leave it undisturbed in the kitchen next morning, you will notice that the water has turned smell. Don't throw away this water, as it contains all the buttermilk directly into the fermented rice and water green chilies, and salt to taste. Mix everything thoroughly, hands or a spatula. Your pazhankji is ready! Enjoy it chilled. Special tip: To enhance the flavor, enjoy this pazhankji with roasted papad, a piece of fried fish, spicy mango pickle, and boiled kappa (tapioca).

How did laborers' food become Dum Biryani? Read the fascinating story of North India's royal cuisine.

North Indian cuisine is a journey of centuries of history, a confluence of cultures, and royal kitchens. Beginning with the Indus Valley Civilization, Central Asian and Mughal influences enriched it. North Indian cuisine reflects influences from Gilavati Kebabs in Lucknow are fascinating. The cuisine is not just a plate of dal and rice; it is a delicious kitchens. Let's turn the pages of history and see where a part of our culture. The Foundations of Indian Food - the Indus Valley Civilization. Archaeological evidence sorghum is mentioned in the Rigveda, which suggests Chefs: The medieval period marked a major shift in arrived in India, bringing with them their unique Asia and Iran introduced new flavors and techniques to Kashmir even today is a prime example, with a clear establishment of the Delhi Sultanate in North India, including jalebi, shami kebab, barra kebab, and Indian cuisine a royal grandeur. They promoted the and the use of nuts. This rich heritage of Mughal cuisine

the Indus Valley to the Mughals. The origins of Dum Biryani and Chhappan Bhog and Dhabas of Braj are fascinating. North Indian journey of centuries-old history, a confluence of cultures, and royal the dishes included in our daily diet came from and how they became North Indian cuisine has deep roots. Our food history begins with shows that people at that time ate wheat and rice. Meanwhile, that millets have always been a part of our diet. The Legacy of Royal North Indian cuisine. This was a period when foreign cultures cuisines. Central Asian and Iranian Influence: Traders from Central Indian cuisine. The "Wazwan" (waffle) served at weddings in Persian influence. The Foundation of the Delhi Sultanate: With the many dishes that have become iconic today came into existence, khameeri roti. The Richness of Mughal Cuisine: The Mughals gave balanced use of spices, the "dum pukht" (slow-cooking) technique, was later carried forward by the Nawabs of Bengal and Awadh and the Nizams of Hyderabad. How Dum Biryani was born: An interesting story is linked to the construction of Lucknow's Bara Imambara. It is said that meat, rice, vegetables, and spices were placed in large pots (degs) and cooked over low heat for thousands of laborers. Nawab Asaf-ud-Daula once visited the Imambara and was so impressed by the aroma of this dish that he instructed his cooks to prepare it in the royal kitchen. Thus was born the "Dum Pukht" culinary style, and the dish was named Dum Biryani. "Dum" means to air, and "Pukht" means to cook. The story of the Gilavati Kebab: Lucknow's famous Gilavati Kebab also has an interesting story. It is said that Nawab Wajid Ali Shah lost his teeth prematurely, but his love for kebabs remained unchanged. He asked his chef to prepare kebabs that would melt in the mouth without the need for chewing. After much effort, the Gilavati kebabs were created, which today are an integral part of Awadhi cuisine. History of Braj's Chhappan Bhog: The tradition of Chhappan Bhog originated in the Braj region. According to legend, Lord Krishna saved the people of Braj from the wrath of Indra by lifting the Govardhan mountain on his finger. To express his gratitude, people offered him offerings for all eight hours of the seven days, making 7 times 8 equal to 56, thus beginning the tradition of offering 56 offerings to Krishna. Modern Changes and the Rise of Dhabas: Gradually, the rule of kings and nawabs ended in India, and the British established their foothold here. The partition of the country in 1947 brought a major change. The displacement caused by Partition also affected food habits. To earn money and feed travelers, some people started serving food on the roadside. Thus, Punjabi dhabas were born, which still dot the highways of North India, offering us a taste of home.

Aditya Dhar was involved in politics, his big dream was shattered, and he made a comeback with the ?1,300 crore Dhurandhar.

Thanks to the tremendous success of Dhurandhar, Aditya Dhar has become one of the country's most successful filmmakers. The director of Dhurandhar wanted to be a cricketer, but internal politics showed him the way out. He made a comeback with the ?1,300 crore Dhurandhar. Following the tremendous success of "Dhurandhar," filmmaker Aditya Dhar has cemented his place as one of Indian cinema's most successful directors. This spy action film, released on December 5, 2025, became one of the highest-grossing Hindi films worldwide. The film grossed over ?1,300 crore worldwide and broke numerous box office records during its theatrical run. Now that its sequel, "Dhurandhar: The Revenge," is set to release on March 19th, all eyes are once again on the filmmaker behind this blockbuster franchise. Aditya wanted to be a cricketer, but Aditya Dhar's journey to success wasn't exactly what one might have expected. Long before becoming a filmmaker, he dreamed of a career in cricket. However, a disappointment in the sport ultimately led him to the world of cinema. Recently, veteran filmmaker Priyadarshan spoke about his early struggles and the turning point that led him to Mumbai. His dream of becoming a cricketer was shattered. Priyadarshan explained that Aditya Dhar was once a promising cricketer, but due to politics within the system, he couldn't continue playing the sport. The filmmaker said, "He was a cricketer, but due to some political influence, he couldn't make it to the Under-19 team, so he was expelled. He became very depressed sitting at home." Someone invited him to watch a film, and it was "Gardish." He said he saw "Gardish" and said, "This is what I want to do," and then he came to Mumbai. Even after coming to Mumbai, Aditya Dhar's journey wasn't easy. According to Priyadarshan, the young writer-director had faced significant disappointments in the industry even before meeting him. The filmmaker recalled,

"He came to me when he was very disappointed with some films; these were films he had written himself, but he never got credit for them." Eventually, in the early 2010s, Aditya Dhar began working with Priyadarshan as an assistant director. During that time, he was also writing dialogues and honing his storytelling skills. Priyadarshan recalled their days working together and spoke about the "master" director's strengths as a writer. From failures to a ?1300 crore blockbuster – Years later, Aditya Dhar has become one of the most successful filmmakers in India, thanks to the tremendous success of his film "Dhurandhar." Released in theaters on December 5, 2025, the film stars Ranveer Singh as Hamza Ali Mazari. Hamza is an Indian spy who arrives in the Lyari area of ??Karachi, Pakistan, and gradually works his way up the ranks of local gang leader Rehman Dakut (played by Akshaye Khanna). The film's star cast also includes Arjun Rampal, R. Madhavan, and Sanjay Dutt. Its sequel, "Dhurandhar: The Revenge," is scheduled to release in theaters on March 19.

A 2-hour, 17-minute horror action film created history at the 98th Oscars; the film's story is terrifying.

For the first time in the history of the Academy Awards, a film has received nominations in 16 categories, the highest ever. You can watch this horror action film on OTT. A horror action film created history at the Oscars – becoming the film with the most nominations – a 2-hour, 17-minute film that will give you goosebumps. A film has broken records at the 98th Oscars. This horror action film has set the record for receiving the most nominations at the Oscars. It has received nominations in 16 categories, the highest ever. Interestingly, this film, which is receiving so much international acclaim, can be watched on OTT. It broke the record of 14 nominations, previously held by 'All About Eve' (1950), 'Titanic' (1997) and 'La La Land' (2016). The film's terrifying story is a horror-thriller set in Mississippi in 1932. It tells the story of twin brothers. After returning from Chicago as World War I veterans, they attempt to open a 'juke joint' on the site of an old sawmill. But their efforts to create a safe community space are hampered by supernatural forces (vampires), forcing them to fight for their lives. Leaving behind their troubled lives, the twin brothers return to their Mississippi hometown to start afresh; But upon reaching there, they discover that an even greater evil and power awaits them. Nominated in 16 categories - The film we are talking about is Sinners. The film has received the most nominations in 16 categories, including Best Picture, Best Actor, Best Director, and Best Supporting Actor. About Sinners - Sinners is a 2025 American horror film produced, written, and directed by Ryan Coogler. Set in the Mississippi Delta in 1932, the film stars Michael B. Jordan in a dual role: twin outlaw brothers who return to their hometown in the Jim Crow South, where they encounter a supernatural evil. The film

also stars Hailee Steinfeld, Myles Catton, Jack O'Connell, Wunmi Mosaku, Jamie Lawson, Omar Benson Miller, and Delroy Lindo. Where to watch Sinners? - Sinners, the worldwide hit and most Oscar-nominated film, can be watched on Jio Hotstar.

40 years ago, this actor started the trend of six-pack abs, the first Bollywood superstar to show off his shirtless body

Previously, six-pack abs were mostly limited to bodybuilding competitions. But a film released 40 years ago marked the first time a Bollywood actor showed off his shirtless body on the silver screen. This actor started the six-pack abs trend 40 years ago, showing his shirtless body in a film released 40 years ago - showing his six-pack on screen before Salman and Hrithik. In today's films, the hero's impressive entry is often without a shirt and with a chiseled six-pack, which draws loud applause from the audience in the cinema. But this trend actually began decades ago. This actor started the trend before Salman and Hrithik Roshan - Until now, we've believed that actors like Salman Khan, Hrithik Roshan, and John Abraham started the six-pack trend in Bollywood, but the real credit goes to a National Award-winning actor decades earlier. Grabbing the limelight on the silver screen - It was veteran actor Naseeruddin Shah who stunned audiences by showing off his six-pack in the 1987 action film "Jalwa," directed by Pankaj Parashar. Playing a CID officer in "Jalwa," Shah sported clearly visible abs, a feat almost unheard of and unheard of in Indian cinema at the time. His look astonished both audiences and filmmakers. He built his body without training or gymnastics - At the time, Shah had neither a personal trainer nor a high-tech gym; he built his physique through discipline and a simple diet. Earlier, actors like Dara Singh and Dharmendra were known for their strong physiques, but six-pack abs were mostly limited to bodybuilding competitions. Today, audiences admire the six-pack abs and physiques of stars like John Abraham, Salman Khan, Shah Rukh Khan, Tiger Shroff, Hrithik Roshan, Vidyut Jammwal, and Sonu Sood. Despite starting this trend, Naseeruddin Shah

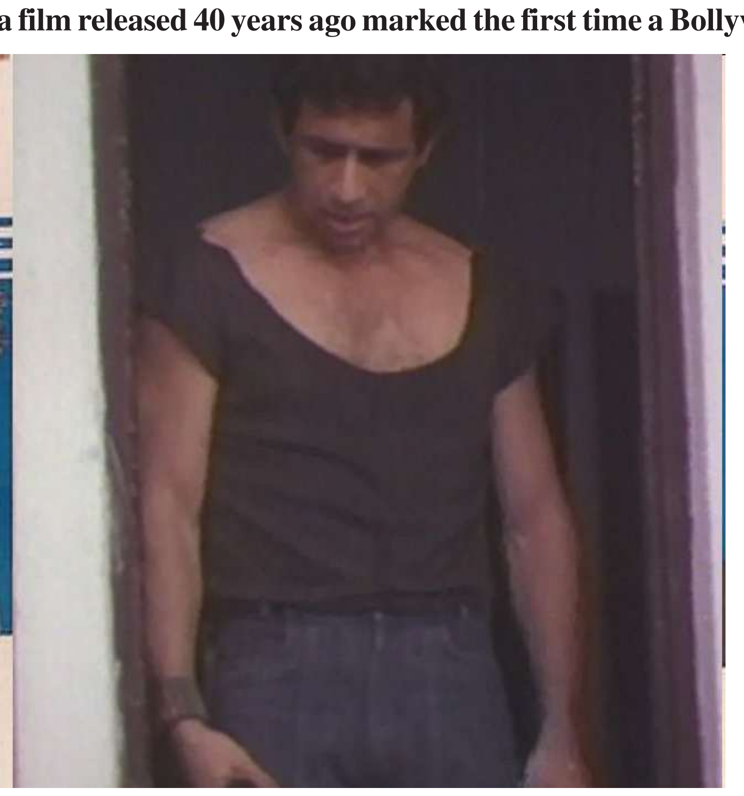

has often said that actors should focus on their acting rather than their physique; he has stressed that a strong physique should never overshadow a powerful performance.